अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष—10 अंक—180 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 31 अक्टूबर 2021 पृष्ठ — 8 मूल्य—3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। दिनांक 30/10/ 2021 दिन शनिवार मां शारदा प्रॉपर्टी डीलर का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्य अतिथि माननीय श्री दिलीप दीक्षित ब्लाक प्रमुख हिलौली के कर कमलों द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया साथ ही साथ जनपद की मौजूद मीडिया साथियों का यथोचित स्वागत सम्मान किया। मौजूद भाजपा के कार्यकर्ताओं को माननीय दिलीप दीक्षित जी के द्वारा शाल ओढ़ाकर, माला पहनाकर स्वागत किया गया।

अनुभाग अधिकारी अनिल शुक्ला को दी गई भावभीनी विदाई

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण परिवार द्वारा आज अधिष्ठान विभाग के अनुभाग अधिकारी अनिल शुक्ला के सेवानिवृत्त होने पर प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। उपस्थित

कर्मचारियों द्वारा उनके कार्यकाल की प्रशंसा की गई। इस अवसर पर प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार गंगवार, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, वित्त नियंत्रक राजीव कुमार सिंह, अधिष्ठान विभाग के प्रभारी विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार, कर्मचारी नेता अवधेश कुमार सिंह, दिनेश कुमार शुक्ला, विनोदिनी शुक्ला सहित काफी मात्रा में कर्मचारी उपस्थित रहे।

चित्रकूट में मुठभेड़ में इनामी डकैत गौरी यादव मारा गया

चित्रकूट (वेब वार्ता)। चित्रकूट जिले में राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एस टी एफ) और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के मांडव जंगल में शनिवार तड़के मुठभेड़ में एक इनामी डकैत गौरी यादव को मार गिराया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक (एसपी) धवल जायसवाल ने 'पीटीआई—भाषा' को बताया कि एसटीएफ और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत हुई मुठभेड़ में साढ़े पांच लाख रुपये का इनामी डकैत गौरी यादव शनिवार तड़के बहिलपुरवा क्षेत्र के मांडव के जंगल में मारा गया। मुठभेड़ स्थल से अत्याधुनिक हथियार बरामद हुए हैं।

गोरखपुर में सीएम योगी ने दिया जीत का मंत्र

अवध की आवाज

गोरखपुर। इस देश के प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास किया। 2019 में जैसे विश्वास किया। देखते ही देखते दुनिया का नजरिया भारत के प्रति बदला गया, आज वे सभी काम हो रहे हैं, जो कभी असंभव होता था। 1990 में जो लोग गोली चला रहे थे, ये वही लोग हैं जो चेहरे बदल रहे हैं। नाम, रुप अलग हो सकते हैं, लेकिन काम वही है। जब शासन करने का मौका मिला, उन्होंने वही किया और आगे भी जब भी मौका मिलेगा, वे वही करेंगे। इसलिए आप सबको जागरूक करने के लिए आया हूं। कहा कि लाखों लाख कारसेवकों और भारतीयों ने वह दर्द महसूस किया है। इसलिए आज दीपोत्सव का कार्यक्रम किया जा रहा है। श्रीराम के भव्य मंदिर बनाने का संकल्प आज पूरा हो रहा है। सफलता का मंत्र क्या है? रास्ते अलग हो सकते हैं, लेकिन हम सबका यही मिशन है कि कैसे हम अपनी सफलता को आगे लेकर जाएं। मेरा यह मानना है कि सफलता के लिए सबसे बड़ी बात होती है कि हमें हर एक बात की जानकारी हो। हमारे मन में जो करने वाले कार्य हैं, उसे करने के लिए इच्छा शक्ति और उमंग होना चाहिए। उसे करने की दृष्टि से जब हम आगे बढ़ जाएंगे, तो हमें करने से कोई रोक नहीं पाएगा। सीएम ने कहा कि जो कार्य समाज के हित में है, उसे जोड़ने के लिए हमें निरंतर करना ही होगा। कल गृह मंत्री का का दौरा भी यूपी में इसी उद्देश्य से था।

सिर्फ अपने लिए जीना, यह कोई जीना नहीं होता। अटल जी ने कहा था, हम अगर चेहरा देखकर बदलते जाए, तब तो हम पा चुकें रामजन्म भूमि। राष्ट्रधर्म के प्रति संपूर्ण धर्म के साथ जब कोई काम होता है तब कोई नरेंद्र मोदी होता है। जब कोई नरेंद्र मोदी पैदा होता है तो कश्मिर जैसे राज्य में धारा 370 खत्म होती है।

दीपावली से पहले अक्टूबर महीने का वेतन देने का निर्देश

अवध की आवाज

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी और निजी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान किया है। योगी ने प्रदेश के कर्मचारियों को त्योहारी सीजन में तोहफा दिया है। योगी ने दिवाली से पहले सभी कर्मचारियों को अक्टूबर महीने का वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा यूपी सरकार 28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को भी दिवाली से पहले तोहफा देने की तैयारी में है। सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों को दिवाली बोनस और महंगाई भत्ता एक साथ दे सकती है, वहीं सीएम योगी ने गुरुवार को निर्देश देते हुए कहा कि दीपावली के मद्दे नजर सभी सरकारी, अर्धसरकारी, संविदा व आउट सोर्सिंग कर्मचारियों के अक्टूबर महीने के वेतन का भुगतान हर हाल में 1 नवंबर तक किया जाए.

दीवाली में चीन से आयातित दीपों की जगह गाय के गोबर से बने दीपक जगमगाये - महापौर संयुक्ता भाटिया

अवध की आवाज

लखनऊ। महापौर संयुक्ता भाटिया ने कान्हा उपवन ने नगर निगम द्वारा गाये के गोबर से बनाये जा रहे दीपकों का निरीक्षण किया और कार्य मे तेजी लाने के निर्देश मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को दिए। उक्त अवसर पर महापौर ने गायों के गोबर से बनाये जा रहे दीपकों की गुणवत्ता भी जांची एवं अपने हाथों से दीपक भी बनाये। इस मौके पर महापौर संयुक्ता भाटिया में कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय का अपना ही महत्व है, गाय के गोबर से बने इन नए उपयोगी चीजों से दूध न देने वाली गायों के संरक्षण में भी सहायता मिलेगी साथ ही दीपावली के मौके पर लोग चीन से आयातित दीपों की जगह इन दीपकों से अपने घरों को जगमगा सकेंगे। जो झूलेलाल

वाटिका के साथ ही विभिन्न स्थलों पर स्टालों में उपलब्ध होगा। महापौर ने आगे कहा कि इससे गौरक्षा व गाय के कल्याण तथा विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रयास से दूध न देने वाली बूढ़ी व दूसरी अन्य गायों के गोबर का भी सदुपयोग किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री आवास के लिए ईओ ने किया डोर टू डोर सर्वे अपात्रों को किया बाहर

6 सैकड़ा से अधिक लोगो की लिस्ट अधूरे निर्माण को पूर्ण कराने के दिए निर्देश

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन।नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए बनी सूची को लेकर अधिशाषी अधिकारी द्वारा डोर टू डोर सर्वे किया गया जिसमें अपात्र लोगो को लिस्ट से बाहर करने के निर्देश देते हुए अधूरे निर्माण को पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। ज्ञातव्य हो कि प्रधानमंत्री आवास को लेकर नगरीय क्षेत्र में ढाई लाख रुपये की राशि दी जाती है जिसमे प्रथम किस्त पचास हजार तथा द्वितीय किस्त डेढ़ लाख तथा पुनः पचास हजार की तीसरी किस्त लाभार्थी के सीधे खाते में भेजी जाती है इसको लेकर पिछले एक सप्ताह से नगर क्षेत्र में 609 नामो की लिस्ट का डोर टू डोर सर्वे किया गया पूर्व में आये आवास जो अपूर्ण है उन्हें भी जल्द आवास पूर्ण करवाने के लिए कहा गया बार्ड कटरा

अस्तबल , बमहौरि, सिद्धार्थ नगर, बाजार, ईदगाह, व्यासपुरा सीर ,अम्बेडकर नगर , गाड़ीखाना , फर्रासखाना आदि जगह पर सर्वे का कार्य आज ईओ सुनील कुमार सिंह व डूडा के अवर अभियंता सुशील कुमार के द्वारा किया गया जिसमें जिले से आई लिस्ट के हर एक व्यक्ति के घर जाकर उसके मकान तथा अन्य प्रतिष्ठानों को देख कर पहचान की गई ई ओ सुनील कुमार ने बताया कि 609 की लिस्ट प्राप्त हुई थी मैने स्वम जाकर घर घर सर्वे किया है जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति छूटने न पाए और उसे आवास मिल सके उन्होंने आगे बताया कि यह कार्य सम्बंधित बार्ड के सभासद को साथ लेकर कच्चे तथा पक्के बने मकान को देखकर किया गया है जिससे कोई भी सही मायने में पात्र व्यक्ति न छूटे और उन्होंने बताया कि जिन्होंने अपना वेक्सीनेसन करवाया है उन्हें भी इस प्रक्रिया में सबसे ऊपर रखा गया है जिसने अपने पूरे परिवार का वेक्सीनेसन करवाया ऐसे पात्र को प्रथम वरीयता दी गई है और लगभग सौ की संख्या में ऐसे आवास है जिन्हें पूर्व में आवास मिल चुके है लेकिन अभी कम्प्लीट नही है उनसे भी जल्द आवास पूर्ण कराने के लिए कहा गया है उनके साथ डूडा के अवर अभियंता सुशील कुमार व पंचायत कर्मी तथा अन्य लोग भी मौजूद रहे रहे।

थाना मोतीगंज पुलिस न`02 नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अवध की आवाज,

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थाना अध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए जिसका पालन करते हुए आज दिनांक 30६ 10६ 21 को शांति भंग के अंतर्गत धारा 151, 107,116,में दो नफर अभियुक्त अतुल पुत्र सतगुरु सोनकर निवासी लोकई पुरवा सीहा गांव थाना मोतीगंज एवं श्याम बली पुत्र चामहित निवासी नई बस्ती इमली आरोपी थाना मोतीगंज गोंडा गिरफ्तार कर पहले भेजा गया। इस प्रकार से बताते चलें कि अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में गिरफ्तार करता ॅप श्री मदन लाल गौतम , ॅप श्री शरद कुमार अवस्थी , कांस्टेबल मृत्युंजय , कांस्टेबल पंकज कुमार, ने अभियुक्तों को गिरफ्तार करके माननीय न्यायालय रवाना किया ।

निर्दोष युवक को गलत फंसाने पर नागरिकों ने सीओ को ज्ञापन सौंपा

अवध की आवाज

उरई (जालौन) कालपी के मुहल्ला रावगंज के एक निजी प्लाट के अंदर 10 वर्षीय

किशोर की लाश मिलने को लेकर दर्ज कराए गए मुकदमे के सिलसिले में नागरिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्राधिकारी वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपते हुए मांग उठाई कि नामजद आरोपी मयंक गुप्ता निर्दोष है इस कारण उसे दोषमुक्त किया जाए प्राप्त जानकारी के मुताबिक पालिका सभासद अतुल सिंह चौहान महेवा, कन्हैया मिश्रा, संदीप पांडे, राहुल द्विवेदी, रामकुमार सैनी, राकेश तिवारी, अभिषेक गुप्ता सिंटू गुप्ता समेत दर्जन भर लोगों ने कार्यालय में पहुंच कर घटना के विवेचक तथा क्षेत्र अधिकारी कालपी वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौपते हुए अवगत कराया है कि कथित आरोपी मयंक गुप्ता निवासी रामगंज कालपी नियत सीधा साधा युवक है उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है दो छोटी—छोटी उसकी बहन है। उन्होंने बताया कि हम लोगों की संवेदनाएं मृतक किशोर के साथ भी जुड़ी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि मृत किशोर किसी भी कारण से उसके प्लाट में दया की क्यों है और बिना जानकारी के वहां जाने पर उसकी मृत्यु हो जाती है तो उसमें किसी का दोस्त नहीं है मृत किशोर के परिवारी जनों ने फर्जी मुकदमा लिखाया है यह एक घटना है जिसमें मयंक गुप्ता को जमानत शराबी बनाया जा रहा है इस कारण सभी समाज के लोगों में रोष व्याप्त है उन्होंने मांग उठाई के गलत मुकदमे की जांच करवा कर मयंक गुप्ता को नया जीवन प्रदान करें। ज्ञात हो कि कस्बा कालपी के मोहल्ला रावगंज में पिछले सप्ताह घटना हुई थी।

भाजपा को अपना नारा बदलकर 'मेरा परिवार भागता परिवार' करना चाहिए : अखिलेश

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह से सत्तारूढ़ दल के लोग सपा में शामिल हो रहे हैं उसके मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को

अपना नारा 'मेरा परिवार भाजपा परिवार' के बजाय 'मेरा परिवार भागता परिवार' करना पड़ेगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक राकेश राठौर और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से निलंबित छह विधायकों के सपा में शामिल होने के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत में अखिलेश ने कहा, ''राकेश राठौर जी के पार्टी में शामिल होने के बाद हो सकता है मुख्यमंत्री जी अपना नारा बदल दें। इसे मेरा परिवार, भाजपा परिवार के बजाय मेरा परिवार, भागता परिवार कर दें।''

उन्होंने दावा किया, ''जनता इतनी दुखी है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया होगा। मैंने जो कहा है कि यह नारा बदलेगा और भाजपा परिवार भागता परिवार ही दिखाई देगा।'' सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में सीतापुर सदर से भाजपा विधायक राकेश राठौर और बसपा विधायकों असलम राइनी (भिनगा), सुषमा पटेल (मड़ियाहूं), हर गोविंद भार्गव (सिधौली), हाकम लाल बिंद (हंडिया), मुजतबा सिद्दीकी (फूलपुर) और असलम अली चौधरी (धौलाना) ने सपा की सदस्यता ग्रहण की।

अखिलेश ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''आने वाले समय में सपा की सरकार बनने जा रही है। इस वक्त जो सरकार में हैं उनसे मेरा निवेदन है कि वे दीवाली का त्योहार मनाएं और अपने घर की सफाई अच्छे से करा लें, जिससे वहां धुएं के निशान मिट जाएं।'' सपा अध्यक्ष ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा द्वारा बनाए गए संकल्प पत्र के पन्ने पलटते हुए कहा, ''कल भाजपा के मंच से कहा गया कि उसने अपने चुनाव घोषणा पत्र के 90 फीसद तक वादे पूरे कर दिए हैं और बाकी बचे हुए दो महीने में पूरे हो जाएंगे।''

उन्होंने दावा किया, ''भाजपा के संकल्प पत्र का कोई भी पन्ना आप पलट लीजिए। जनता से किया गया एक भी वादा पूरा नहीं हुआ है। इस चुनाव घोषणापत्र में सबसे पहली बात कही गई थी कि 2022 तक किसानों की कृषि आमदनी दोगुनी करने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाएगा। आज उत्तर प्रदेश का किसान जानना चाहता है कि आखिरकार आय कब दोगुनी होगी।''

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बुंदेलखंड के लोगों ने सबसे ज्यादा भाजपा पर भरोसा किया लेकिन भाजपा सरकार ने सबसे ज्यादा विश्वासघात उन्हीं लोगों के साथ किया। उन्होंने भाजपा पर शिक्षण संस्थानों को चौपट करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन संस्थानों में एक खास तरह की सोच के लोगों को बैठा दिया गया है ताकि बरसों बरस उसी सोच के लोग भर्ती होते रहें। इससे बड़ा नुकसान और कुछ नहीं हो सकता है।

अखिलेश ने एक सवाल पर कहा कि जो नौजवान रोजगार मांगने आया उसे प्रदेश की भाजपा सरकार ने लाठी मारकर वापस भेजा है। इस बार नौजवान वोट डाल कर भाजपा का सफाया करेगा। अखिलेश ने एक सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बारे में समाजवादियों का यही मानना है कि जो कांग्रेस है, वही भाजपा है और जो भाजपा है वही कांग्रेस है।

सपा अध्यक्ष ने लखीमपुर खीरी कांड मामले के बाद विवादों से घिरे केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा की शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय गश्ह मंत्री अमित शाह के साथ मौजूदगी का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''गाड़ी से किसानों को कुचलने की तस्वीरें किसने नहीं देखी। वह वीडियो भी देख लीजिए जिसमें मंत्री ने धमकाया। उस मंत्री को अमित शाह के साथ मंच पर सम्मान दिया जा रहा है।

जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने शनिवार को महमूदाबाद तहसील क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भलवाही मजरा रसूलाबाद का निरीक्षण कर बाढ़ राहत कार्यों को देखा

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। (सू0वि0) जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने शनिवार को महमूदाबाद तहसील क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भलवाही मजरा रसूलाबाद का निरीक्षण कर बाढ़ राहत कार्यों को देखा। जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय ग्राम भलवाही मजरा रसूलाबाद का निरीक्षण भी किया। जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत योजना के अन्तर्गत कार्यों को समय से पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने यह निर्देश भी दिये कि राहत सामग्री का वितरण समय से सुनिश्चित किया जाये। चिकित्सा टीमों को क्षेत्र में सक्रिय रहते हुये बाढ़ पीड़ितों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराये जाने हेतु भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि शारदा व घाघरा बैराज से पानी छोड़े जाने से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे बाढ़ की स्थिति बन गयी है। जनपद मुख्यालय पर बाढ़ आपदा राहत के लिए पूर्व से कंट्रोल रूम 24×7 संचालित है, जिसका दूरभाष नम्बर 05862—245753 है। उपरोक्त नम्बर पर बाढ़ आपदा बचाव से सम्बंधित कोई भी सूचना दी जा सकती है।

सम्पादकीय

प्रकाश पर्व और दीपक

दीपावली प्रकाश पर्व है। यानी अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। आदिकाल से चली आ रही सांस्कृतिक यात्रा का यह त्यौहार सामाजिक जीवन प्रसन्नता और मंगल का प्रतीक रहा है। इस कालखण्ड में मानव ने मिट्टी, पत्थर, काठ, मोम और धातुओं के स्वरूप में हजारों तरह के शिल्प में दीपक गढ़े हैं। शुरूआत में दीवाली की मुख्य भावना दीप दान से जुड़ी थी। प्रकाश के इस दान को पुण्य का सबसे बड़ा कर्म माना जाता था। दीपों के कलात्मक आकार में मनुष्य की कल्पना व संवेदनशील उंगलियों का इतिहास भी अंकित है। इस जगत में जीवन जीने के लिए प्रत्येक प्राणी को उजाले की जरूरत पड़ढ ती है। बिना उजाले के वह कोई कार्य सुरुचिपूर्ण ढंग से संपन्न नहीं कर पाता है। वैसे तो सबसे अधिक महत्वपूर्ण व उपयोगी प्रकाश सूर्य का है। इसके प्रकाश में ही अन्य सभी प्रकार के प्रकाश समाविष्ट रहते हैं। इसीलिए दीवाली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है। कहा भी गया है,

शुभं करोति कल्याण आरोग्यं सुख संपदम्।
शत्रु बुद्धि विनाशं च दीपज्योतिः नमोस्तुते।।

शुरूआती दौर में सीपियों का दीपक के रूप में उपयोग किया जाता था। इसमें रोशनी पैदा करने के लिए चर्बी डाली जाती थी और बाती के रूप में घास या कपास की ही बत्ती होती थी। इसके बाद पत्थर और काठ के दीपक अस्तित्व में आए। तत्पश्चात मिट्टी के दिए बनाए जाने लगे। कुम्हार के चाक की खोज के बाद तो मिट्टी के दीए अनूठे व आकर्षक शिल्पों में अवतरित होने लगे और ये घर–घर आलोक–स्तंभ के रूप में स्थापित हो गए। धातुओं की खोज और उन्हें मनुष्य के लिए उपयोगी बनाए जाने के बाद बड़े लोगों के घरों व महलों की शोभा धातु के दिए बनने लगे। जो वैभव का प्रतीक भी थे। स्वर्ण, कांसा, तांबा, पीतल और लोहे के दीयों का प्रचलन शुरू हुआ। इसमें पीतल के दीपकों को बेहद लोकप्रियता मिली। रामायण और महाभारत में भी 'रत्नदीपों' का उल्लेख देखने को मिलता है।

कालांतर में एकमुख्यी से बहुमुख्यी दीपक बनाए जाने लगे। इनकी मूठ भी कलात्मक और पकड़ने में सुविधा जनक बनायी जाने लगी। सत्रह–अठारहवीं सदी में दीपकों को अनेक प्रकार के पशु–पक्षियों व अप्सराओं के रूप में ढाला जाने लगा। इस समय 'मयूरा धूप दीपक' का चलन खूब था। इसकी आकृति नाचते हुए मोर की तरह होती है। इसके पंजों के ऊपर बत्ती रखने के लिए पांच कटोरे बने होते हैं। मोर के ऊपर बन छेदों में अगरबत्तियां लगाई जाती हैं।

राजे–रजवाड़े के कालखंड में छत से लटके दीपों का प्रचलन खूब था। ये परी, पशु, पक्षी और देवी–देवताओं की आकृतियों से सजे रहते थे। सांकल से लटके हंस और कबूतरों के पंजों पर तीन से पांच दीपक बनाए जाते थे। मुगलों के समय दीपकों में नायाब परिवर्तन आए। इस समय गोल लटकने वाले कलात्मक दीपक ज्यादा संख्या में बने इसके अलावा आठ कोनों वाले, गुम्बदाकार व ऐसे ही अन्य प्रकार के दीपक बनाए जाने लगे। इन दीपकों में से रोशनी बाहर झांकती थी।

जब दीपक सैंकड़ढों आकार–प्रकारों में सामने आ गए तो इनकी सुचारू रूप से उपयोगिता के लिए 'दीपशास्त्र' भी लिख दिया गया। जिसमें दीपक जलाने के लिए गाय के घी को सबसे ज्यादा उपयोगी बताया गया। घी के विकल्प के रूप में सरसों के तेल का विकल्प दिया गया। कपास से कई प्रकार की बत्तियां बनाने के तरीके भी दीपशास्त्र में सुझाए गए हैं। दीपावली पर देश में घी और सरसों के तेल से ही दीपक प्रज्वलित किए जाते हैं।

सोलहवीं सदी में तो संगीत के एक राग के रूप में 'दीपक–राग' की भी महत्ता व उपलब्धि है। इस संदर्भ में जनश्रुति है कि संगीत सम्राट तानसेन द्वारा दीपक राग के गाए जाने पर मुगल सम्राट अकबर के दरबार में बिना जलाए दीप जल उठे थे। दीपक–राग के गाने के बाद ही तानसेन को 'संगीत सम्राट' की उपाधि से विभूषित किया गया। उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर परिसर में दीपों के स्तंभ बने हुए हैं, जिन पर सैंकड़ों दीप एक साथ रखकर जलाए जाते हैं। प्राचीन भारतीय परंपरा में दीपक के दान से बड़ा महत्व जुड़ा है। महाभारत के 'दान–धर्म–पर्व' में दीपदान के फल की महत्ता दैत्य ऋषि शुक्राचार्य ने दैत्यराज बलि को इस प्रकार समझाई है–

कुलोद्योतो विशुद्धात्मा प्रकाशत्वं च गच्छति।
ज्योतिषां चौव सालोक्यं दीपदाता नरः सदा।।

अर्थात, दीपकों का दान करने वाला व्यक्ति अपने वंश को तेजस्वी व समश्द्धशाली बनाने वाला होता है और अंत में वह आलोकमयी लोकों को गमन करता है।

रामायणकाल से पूर्व दीपावली का संबंध बलि कथा के संदर्भ में ही मान्य तथा प्रचलन में था। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को "बलि प्रतिपदा" भी कहते हैं। इस दिन बलि महाराज की अर्चना भी की जाती है। राजा बलि अपने राज्य में चतुर्दशी से तीन दिन चलते हैं और तीनों दिन दीपदान भी करते हैं। बलि के इस दीपदान से ही इस उत्सव को दीपावली कहा गया है। हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में अपने वंश की समृद्धि के लिए ही प्रतिदिन गंगा की संध्या आरती के समय बड़ढ ी संख्या में दीपदान किए जाते हैं। ऐसा ही वाराणसी के गंगा घाट पर होता है।

प्राचीन भारत में मनुष्य के सभ्य व संस्कारजन्य होने के अनुक्रम में दीपक का महत्व हर एक महत्वपूर्ण उद्देश्य से जुड़ता चला गया। प्रयोजन के अनुसार ही इनका नामांकन हुआ दीपावली पर जो दीप आकाश में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर टांगा जाने लगा उसे 'आशा–दीप', स्वयंवर के समय जलाए जाने वाले दीप को 'साक्षी–दीप' पूजा वाले दीप को 'अर्चना–दीप' साधना के समय रोशन किए जाने वाले दीप को 'आरती–दीप' मंदिरों के गर्भगश्ह में अनवरत जलने वाले दीप को 'नंदा–दीप' की संज्ञा दी गई। मंदिरों के प्रवेश द्वार और नगरों के प्रमुख मार्गों पर बनाए जाने वाले दीपकों को 'दीप–स्तंभ' का स्वरूप दिया गया, जिन पर सैंकड़ों दीपक एक साथ प्रकाशमान करने की व्यवस्था की गई।

बहरहाल वर्तमान में भले ही दीपकों का स्थान मोमबत्ती और विद्युत बल्वों ने ले लिया हो लेकिन प्रकृति से आत्मा का तादात्म्य स्थापित करने वाली भावना के प्रतीक के रूप में जो दीपक जलाए जाते हैं, वे आज भी मिट्टी, पीतल अथवा तांबे के हैं। घी से जज्वलमान यही दीपक हमारे अंतर्मन की कलुषता को धोता है।

दुश्मनों का काल है 'आकाश प्राइम'

दृयोगेश कुमार गोयल–

उच्च तकनीक वाली मिसाइलों, अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों और उच्च कोटि के सैन्य उपकरणों को सेना के तीनों अंगों का अहम हिस्सा बनाए जाने के चलते एक ओर जहां भारत की सैन्य ताकत लगातार बढ़ रही है, वहीं दुश्मन देशों की हर प्रकार की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना भी सशक्त हो रही है। इसी कड़ी में पिछले दिनों भारतीय रक्षा अनुसंधान केन्द्र (डीआरडीओ) ने आकाश मिसाइल के नए अपग्रेडेड वर्जन 'आकाश प्राइम' का सफल परीक्षण करके सेना को मजबूत बनाने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की।

डीआरडीओ द्वारा यह परीक्षण तीव्र गति वाले एक मानवरहित हवाई लक्ष्य को निशाना बनाकर किया गया, जिसे 'आकाश–प्राइम' ने सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इस अपग्रेडेड आकाश मिसाइल को भारतीय सेना में शामिल किए जाने के बाद निःसंदेह सेना की ताकत में बड़ा इजाफा होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 30 दिसम्बर 2020 को कैबिनेट की बैठक में भारत की स्वदेशी आकाश मिसाइलों का निर्यात करने का निर्णय भी लिया गया था, जिसके बाद अब दुनिया के अन्य देश भी इन मिसाइलों को खरीद सकते हैं। दरअसल ऐसी खबरें आती रही हैं कि फिलीपींस, बेलारूस, मलेशिया, थाईलैंड, यूएई, वियतनाम इत्यादि दुनिया के कुछ देश आकाश मिसाइलों की मारक क्षमता से प्रभावित होकर भारत से ये मिसाइलें खरीदना चाहते हैं।

निश्चित रूप से भारत के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है कि जो देश अब तक अपनी अधिकांश रक्षा जरूरतें कुछ दूसरे विकसित देशों से आयात करके पूरी करता था, वह अब रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ाते हुए दूसरे देशों को सैन्य साजो–सामान निर्यात करने की ओर भी कदम बढ़ा रहा है। आकाश मिसाइल डीआरडीओ द्वारा विकसित और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित एक मध्यम दूरी की मोबाइल सैम (सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल) प्रणाली है, जो 18 हजार फुट तक की ऊंचाई पर 30–80 किलोमीटर दूर तक निशाना लगा सकती है। आकाश मिसाइल के विभिन्न संस्करणों में लड़ाकू जेट, हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हवाई लक्ष्यों को बेअसर करने की विलक्षण क्षमता है।

भारतीय थलसेना और भारतीय वायुसेना में आकाश एमके–1 तथा आकाश एमके–1एस की कई स्क्वाड्रन तो पहले से ही कार्यरत हैं। चीन के साथ हुए सीमा विवाद के दौरान गत वर्ष आकाश मिसाइल के कुछ संस्करणों को लद्दाख में एलएएसी पर भी तैनात किया गया था। इसके अलावा भारतीय वायुसेना द्वारा ग्वालियर, जलपाईगुड़ी, तेजपुर, जोरहाट, पुणे एयरबेस पर भी आकाश मिसाइलें तैनात की गई हैं। भारत में अभी तक आकाश मिसाइल के कुल तीन वैरिएंट मौजूद थे, जिनमें 30 किलोमीटर रेंज वाली 'आकाश एमके1', 40 किलोमीटर रेंज वाली 'आकाश एमके1एस' और 80 किलोमीटर रेंज की 'आकाश–एनजी' मिसाइलें शामिल थी। अब चौथा संस्करण 'आकाश प्राइम' भी आकाश मिसाइलों की इस श्रृंखला में जुड़ गया है। आकाश एमके1 और एमके1एस सभी मौसम में कम, मध्यम और ऊंचाई से प्रवेश करने वाले मध्यम दूरी के हवाई लक्ष्यों के खिलाफ एक वायु रक्षा हथियार प्रणाली (एयर डिफेंस वेपन सिस्टम) है लेकिन आकाश प्राइम मिसाइल को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह ऐसी परिस्थितियों से और भी बेहतर तरीके से निपट सके।

21 जुलाई 2021 को आकाश मिसाइल के अपडेटेड वर्जन 'आकाश–एनजी' (आकाश न्यू–जनरेशन) का भी सफल परीक्षण किया जा चुका है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) द्वारा विकसित किया गया और भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) तथा भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) द्वारा इसका उत्पादन किया जा रहा है। सतह से हवा में मार करने वाली भारतीय वायुसेना के लिए बनाई गई 19 फुट लंबी, 720 किलोग्राम वजनी और 1.16 फुट व्यास वाली आकाश–एनजी मिसाइल अपने साथ 60 किलोग्राम वजन के हथियार ले जा सकती है और 20 किलोमीटर की ऊंचाई तक जाकर करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य को भी भेद सकती है। इसकी रेंज 40 से 80 किलोमीटर है।

आकाश सीरिज की यह मिसाइल दुश्मन को बचने की तैयारी का कोई अवसर नहीं देती क्योंकि इसकी गति 3.5 मैक अर्थात् 4321 किलोमीटर प्रतिघंटा है यानी यह महज एक सेंकेंड में ही सवा किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस मिसाइल को बनाने की अनुमति वर्ष 2016 में मिली थी, जिसमें डुअल पल्स सॉलिड रॉकेट मोटर है, जो इसकी गति को बढ़ाती है। इसके अलावा इसमें एक साथ कई दुश्मन मिसाइलों या विमानों को स्कैन करने के लिए एक्टिव इलैक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे मल्टी फंक्शन राडार (एमएफआर) लगा है।

डीआरडीओ द्वारा अब सतह से हवा में आसानी से अपने लक्ष्य को भेद सकने में सक्षम आकाश मिसाइल के जिस नए संस्करण 'आकाश प्राइम' का सफल परीक्षण किया गया है, वह पहले से मौजूद आकाश मिसाइल प्रणाली से कई मायनों में आधुनिक और बेहतर है। 560 सेंटीमीटर लंबी तथा 35 सेंटीमीटर चौड़ी आकाश प्राइम मिसाइल में कई अत्याधुनिक साजो–सामान जोड़े गए हैं और यह मिसाइल 60 किलोग्राम वजन तक के विस्फोटक अपने साथ ले जाने की ताकत रखती है। यह भारत की बेहद शक्तिशाली और तीव्र गति से हमला करने वाली मिसाइल है। आकाश प्राइम में आकाश मिसाइल के पुराने वर्जन में कई महत्वपूर्ण सुधार करते हुए ग्राउंड सिस्टम तथा अत्यधिक ऊंचाई पर जाने के बाद तापमान नियंत्रण के यंत्र को अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा रडार, ईओटीएस तथा टेलीमेट्री स्टेशन, मिसाइल ट्रैजेक्टरी और फ्लाइट पैरामीटर्स को भी सुधारा गया है।

कुछ रक्षा विश्लेषकों के मुताबिक वास्तव में इसे आकाश एमके1एस को फिर से री–डिजाइन करके तैयार किया गया है, जिसका भारतीय सेना द्वारा पांच बार परीक्षण किया जा चुका है और आज के समय की मांग को देखते हुए आकाश प्राइम पूरी तरह सक्षम है। आकाश प्राइम में स्वदेशी एक्टिव आरएफ सीकर (रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर) लगा है, जो दुश्मन के टारगेट को पहचानने की सटीकता और इसकी मारक क्षमता को बढ़ाता है। आरएफ सीकर यह सुनिश्चित करता है कि मिसाइल जिस लक्ष्य पर दागी गई है, वह हिट हो। आकाश प्राइम मिसाइल अपने लक्ष्य को अधिक सटीक तरीके से भेदने में सक्षम है, जिसमें अधिक ऊंचाई वाले स्थानों में विषम जलवायु परिस्थितियों से निपटने के लिए रडार और ट्रैकिंग के साथ लांच सिस्टम के लिए कई अतिरिक्त फीचर्स भी मौजूद हैं। इनमें –20 डिग्री सेल्सियस से 60 डिग्री सेल्सियस तापमान पर भी बखूबी कार्य करने वाली बैटरियों की सुविधा होगी, जो इन्हें ठंडे मौसम की स्थिति में उपयोग के लिए व्यावहारिक बनाती है, जहां वायु रक्षा प्रणाली को लंबी अवधि के लिए विपरीत जलवायु में तैनात किया जाता है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार आकाश प्राइम 'सख्त ऑनबोर्ड इलैक्ट्रॉनिक सिस्टम' के साथ आएगी ताकि यह शून्य से 35–40 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर भी काम कर सके, जो प्रायः जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में सर्दियों में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में औसत दैनिक न्यूनतम तापमान होता है।

बहरहाल, मौसम की अलग–अलग स्थितियों में लक्ष्य को भेदने की क्षमता से लैस आकाश प्राइम मिसाइल का प्रयोग भारतीय वायुसेना द्वारा दुश्मन के हवाई हमलों से निपटने में किया जाएगा। यह मिसाइल पूरी तरह से गतिशील है और वाहनों के चलते काफिले की रक्षा करने में सक्षम है। यह मिसाइल ज्यादा ऊंचाई वाले ऐसे परिचालन क्षेत्रों में भी लक्ष्य को सटीकता से भेद सकती है, जहां तापमान बहुत कम होता है। दरअसल उच्च ऊंचाई पर कम तापमान वाले वातावरण में विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करना इस मिसाइल की बड़ी विशेषता है। मिसाइल की इसी विशेषता के कारण भारत के उत्तरी और उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों में सेना की ताकत में वश्द्धि होना तय है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पटाखों का चलन कहां से आया

–डा. ओपी जोशी–

पहले जिन पटाखों की पूछ–परख पर्व–त्यौहारों पर ही होती थी, आजकल उन्हें आए दिन फोड़ने के अवसर खोजे जाने लगे हैं। क्या हमारे समाज में इन पटाखों की अहमियत पहले भी ऐसी ही थी? क्या लंका से लौटे श्रीराम का स्वागत पटाखों से किया गया था? इस आलेख के माध्यम से पटाखों के इतिहास को जानने की कोशिश की गई है। दीपावली एवं अन्य अवसरों पर चलाए जाने वाले पटाखे बारूद का उपयोग कर बनाए जाते हैं। कौटिल्य के अर्थशास्त्र (300 ईसा पूर्व) में 'अग्निचूर्ण' नाम से किसी पदार्थ का वर्णन किया गया है जिसका उपयोग सैन्य कार्यों में किया जाता था। यह अग्निचूर्ण ही संभवतः वह पदार्थ होगा जिसे हम आजकल बारूद (गन पावडर) कहते हैं। वैज्ञानिक आधार पर बारूद में 75 प्रतिशत शोरा (साल्ट पीटर या पोटेशियम नाइट्रेट), 10 प्रतिशत गंधक (सल्फर) एवं 15 प्रतिशत कोयले का चूरा होता है। बारूद एवं पटाखों की खोज चीन में होना बताया गया है। सातवीं से दसवीं सदी के मध्य चीन में पटाखों की खोज एक दुर्घटना के कारण हुई थी। वहां किसी आयोजन में खाना बनाने वाले एक व्यक्ति ने गलती से शोरा भट्टी में डाल दिया जिससे आग में रंगीन लपटें पैदा हो गईं। जिज्ञासावश बाद में मुख्य रसोइये ने शोरे के साथ गंधक एवं कोयले का चूरा भट्टी में डाला। इससे रंगीन आग की लपटों के साथ तेज धमाका भी हुआ। इस घटना को देख रहे कुछ चीनियों ने शोरा, गंधक व कोयले का चूरा एक डिब्बे में रखकर आग लगाई। आग लगते ही डिब्बा तेज प्रकाश एवं धमाके के साथ फट गया। प्रकाश एवं तेज आवाज सहित फटा यह डिब्बा आधुनिक पटाखों का पूर्वज हो सकता है। चीन में यह सारा घटनाक्रम किस स्थान पर हुआ इसका कहीं वर्णन नहीं है। पुराने समय में जब खनन कार्य की अच्छी विधियां नहीं खोजी गई थीं, उस समय सुअरों के बाड़े, अस्तबल एवं गौशालाओं में पहले गोबर से मिट्टी अलगकर परंपरागत विधि से शोरा प्राप्त किया जाता था। इसका उपयोग बारूद एवं पटाखों के निर्माण में किया जाता था। प्रारंभ में बारूद का उपयोग पहाड़ों को तोड़ने एवं सड़क निर्माण में आई चट्टानों को तोड़कर समतल करने में किया जाता था। बारूद की खोज ने परंपरागत युद्ध शैली को भी बदल दिया जब हाथी, घोड़े पर सवार पैदल सैनिक तीर–तलवार व भाले से लड़ते थे। वर्तमान में पटाखों को रंगीन तथा चमकदार बनाने हेतु बारूद के साथ कई प्रकार के रसायन निर्धारित मात्रा में मिलाए जाते हैं। इन रसायनों में एंटीमनी, कॉपर बेरियम, स्कॉर्पियन, सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम एवं लेड़ प्रमुख हैं। वर्ष 1228 के आसपास यूरोप में पटाखों का चलन प्रारंभ हुआ एवं इटली में सबसे पहले पटाखों का निर्माण भी शुरू किया गया। इंग्लैंड में पटाखों का उपयोग राजकीय समारोह में होने लगा। चार्ल्स पंचम अपनी हर विजय पर पटाखे चलाकर खुशी मनाते थे। हमारे देश में मुगलों द्वारा बारूद एवं पटाखे लाए गए। सोलहवीं शताब्दी में राजा, महाराजा द्वारा मनाए जाने वाले उत्सवों में पटाखों के प्रयोग किए जाने का वर्णन इतिहास में मिलता है। आदिल बादशाह ने वर्ष 1609 में अपनी एक विजय पर जमकर पटाखे चलाए थे।

वर्ष 1667 में औरंगजेब ने गोला–बारूद एवं पटाखों के उपयोग पर इसलिए प्रतिबंध लगाया था कि इससे वातावरण विषैला होता है एवं संपत्तियों पर भी विपरीत प्रभाव होता है। बीकानेर के तत्कालीन राजा गंगा सिंह ने भी इस प्रतिबंध का समर्थन किया था। यह प्रतिबंध दर्शाता है कि पटाखों से पहले प्रदूषण को रोकने का विचार काफी पुराना है। 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में कलकत्ता (अब कोलकाता) में पहला पटाखे बनाने का कारखाना लगाया गया था। वर्ष 1940 में विस्फोटक पदार्थों के संबंध में 'आयुध नियम–कानून' लागू होने के बाद तमिलनाडु के शिवाकाशी में सरकारी लाइसेंस देकर कई कारखाने खोले गए। वर्तमान में इन कारखानों में लगभग 800000 श्रमिक कार्य करते हैं एवं देश में उपयोग किए जाने वाले 80 प्रतिशत पटाखों की पूर्ति यहां से होती है। मुख्य रूप से तीन प्रकार के पटाखे बताए गए हैं : प्रकाश देने वाले, आवाज पैदा करने वाले तथा धुआं छोड़ने वाले। इस आधार पर पटाखों के कई अन्य उपयोग भी हैं। दुश्मन से छिपने हेतु लड़ाई के समय धुएं वाले पटाखे चलाए जाते हैं। किसी कार्य की सफलता प्रकाश पैदा करने वाले पटाखों से दर्शाई जाती है। रेल दुर्घटनाओं की रोकथाम में आवाज पैदा करने वाले पटाखे काफी उपयोगी सिद्ध हुए हैं। आजकल दीपावली एवं अन्य त्यौहार, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक आयोजन, पारिवारिक कार्य एवं खेलों में विजय पर पटाखे चलाने का प्रचलन फैलते बाजारवाद से जुड़ गया है। एक अनुमान के अनुसार देश में सालाना पटाखों का व्यवसाय लगभग 2661 करोड़ रुपयों का होता है। हमारे देश की संस्कृति से पटाखों का कोई सीधा संबंध नहीं है। रामायण काल में भगवान श्री राम के लंका से लौटने पर खुशियों से दीप जलाने का वर्णन मिलता है, पटाखे चलाने का नहीं। अंग्रेजी शासन काल में उत्सव मनाने हेतु पटाखे चलाए जाते थे, जिसे हमारे देश के लोगों ने भी अपनाया। पहले राजा, महाराजा एवं धनवान लोग पटाखे चलाते थे, परंतु बाद में धीरे–धीरे सभी लोग इस चलन से जुड़ गए। इसका परिणाम यह हुआ कि प्रकाश पर्व धूल–धमाकों का हो गया। दिवाली पर अधिकतर लोग पटाखे फोड़ते हैं जिससे कई महानगर तो गैस चौंबर बनने लग पड़े हैं। दिवाली के आसपास दिल्ली की स्थिति का मुआयना करें तो यहां भारी प्रदूषण से लोगों का दम घुटने वाली स्थिति पैदा हो जाती है। इसीलिए अब प्रशासन अकसर पटाखों की बिक्री व उपयोग पर पाबंदी लगा देता है। इस पाबंदी को कई लोग धर्म विशेष के लोगों के अधिकार से जोड़कर भी देखते हैं, जो हमारी सामने उत्पन्न हो रही प्रदूषण की स्थितियों को देखते हुए बिल्कुल भी जायज नहीं है। हर धर्म के लोगों का कर्त्तव्य है कि वे सबसे पहले पर्यावरण का संरक्षण करें, अधिकारों की बात उसके बाद आती है। कहने का भाव यह है कि पर्यावरण संरक्षण का दायित्व पटाखे फोड़ने के अधिकार से बड़ा है। त्योहार–उत्सव तो आते रहेंगे, पर अगर पर्यावरण प्रदूषित हो गया तो यह सभी समुदायों के लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ की तरह ही होगा। इसलिए अब समाज ग्रीन पटाखों की ओर अग्रसर होता नजर आता है। हमें अगर स्वास्थ्य को उत्तम बनाए रखना है तो पटाखों पर रोक तो लगानी ही होगी।

युवा पीढ़ी की बनती-बिगड़ती सूरत व सीरत

–राजेंद्र मोहन शर्मा–

किसी भी देश व समाज को बनाने या बिगाड़ने में उस देश की युवा पीढ़ी की मुख्य भूमिका होती है। युवा पीढ़ी में न केवल जोश व उत्साह होता है बल्कि उनमें नए विचारों की सश्जनात्मक व परिवर्तन लाने वाली दक्षता भी होती है। वे कुछ करना चाहते हैं तथा यदि युवा अपने मन में कुछ करने की ठान लें तो उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। हमारे देश की कुल आबादी का लगभग 65 प्रतिशत युवा है जो 35 वर्ष की आयु से कम है। हमारे मेहनती और प्रतिभाशाली युवाओं को यदि सही दिशा दी जाए तो यह भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी बना सकते हैं। भारत की युवाशक्ति उद्यमशील व उत्साही है तथा हर क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। युवा वर्ग तो कल की आशा होती है तथा उनसे बहुत सी उम्मीदें होती हैं। आज अगर कोई कमी है तो वह उनको सही समय पर मार्गदर्शन देने की है जिसके लिए उनके माता–पिता, गुरुजनों व पूर्ण समाज की जिम्मेदारी सर्वोपरि है।

जिस तरह से स्वामी विवेकानंद ने हमेशा देश के युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, उसी तरह हर बुद्धिजीवी नागरिक का कर्त्तव्य है कि वे अपने उच्च चरित्र के व्यक्तिगत उदाहरण से युवाओं के लिए एक रोल मॉडल का काम करें। आज के डिजिटल युग में युवा वर्ग एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभा सकता है, मगर वह कहीं भटकता हुआ जरूर नजर आता है जब वो सोशिल मीडिया का गलत प्रयोग कर नकारात्मक सोच को जन्म देने लगता है। डिजिटल मीडिया के माध्यम से वे न जाने कौन–कौन से अपराध कर बैठता है तथा अपनी सारी ऊर्जा को पानी की तरह बहा कर अपना जीवन नष्ट कर बैठता है। आज यह भी देखा जा रहा है कि युवा वर्ग विदेशों में जाना ज्यादा पसंद करते हैं क्योंकि वहां उनको नौकरी आसानी से मिल जाती है, मगर उन्होंने शायद यह कभी नहीं सोचा कि उनके मां–बाप जिन्होंने उन्हें जन्म दिया, उन्हें देखने के लिए पीछे से कोई नहीं है। दूसरे देश, भारतीय युवाओं को इसलिए अधिक वेतन देते हैं क्योंकि उनको पता है भारतीय युवा मेहनती होते हैं तथा सस्ते में ही मिल जाते है।

ऐसे युवाओं का अपने देश के विकास के लिए कोई विशेष योगदान नहीं होता तथा वे विदेशी बन कर ही रह जाते हैं। दिशाहीन युवक कई गलत आदतों का शिकार हो जाते हैं तथा वो अक्सर अपने पथ से भटक जाते हैं। युवाओं की सूरत व सीरत, दशा व दिशा बदलने के लिए कुछ सुझाव दिए जा रहे हैं जिनका विवरण इस प्रकार से है एक, युवाओं को श्री कृष्ण जी की इन तीन बातों पर ध्यान देना चाहिए : (1) बड़ों को प्रणाम व उनका आशीर्वाद प्राप्त करना, (2) अहंकार व अहम का त्याग, (3) जीवन में कड़ा परिश्रम करना। उन्हें नहीं भूलना चाहिए कि एक कठोर पत्थर हथौड़े की अंतिम चोट से ही टूटता है तथा उन्हें निरंतर परिश्रम करते रहना चाहिए। आईंस्टाइन ने बिजली के बल्ब का आविष्कार 700 बार प्रयास करने के बाद ही किया था तथा इन्हें उसी तरह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत रहना चाहिए। दो, बुरी संगत को त्याग कर अच्छी संगत का साथ देना चाहिए। याद रखें कि यदि लोहे को खुली हवा में बाहर रख दिया जाए तो उसे जंग लग जाता है, मगर उसी लोहे को यदि आग से गुजारा जाए तो वह एक बहुमूल्य स्टील का रूप धारण कर लेता है। उन्हें अपना एक लक्ष्य बनाना चाहिए तथा बिना लक्ष्य के उनकी मेहनत उसी तरह बेकार जाएगी जैसा कि पानी की तलाश में एक ही जगह गहरा कुआं न खोद कर जगह–जगह खाइयां खोदने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता। तीन, अपनी आत्मा का विश्लेषण व आत्मबोध करें तथा अपने अस्तित्व व क्षमता की पहचान करें। आप में परमात्मा की दी हुई सभी शक्तियां विराजमान हैं, मगर आप कस्तूरी मृग की तरह कस्तूरी की तलाश जगह–जगह कर रहे हैं तथा अपनी नाभि की तरफ ध्यान नहीं दे रहे। यहां पर यह कस्तूरी पहले से ही उपलब्ध है।

चार, समय को व्यर्थ न गंवाएं तथा समय प्रबंधन की कला को सीखें। समय किसी का इंतजार नहीं करता तथा आगे निकलता ही चला जाता है तथा ध्यान रखें कि एक बार बहते हुए नदी के पानी को दोबारा छुआ नहीं जा सकता। समय के कुप्रबंधन से आप बहुत पिछड़ जाओगे तथा एक साधारण व्यक्ति का जीवन व्यतीत करने के लिए मजबूर हो जाओगे।

पांच, अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें क्योंकि जिंदगी मे बहुत सी असफलताओं का आपको सामना करना पड़ेगा। अपनी असफलता से बिल्कुल न घबराएं तथा अपना आत्म विश्वास एक स्थिर चट्टान की तरह बनाए रखें जो तेज हवाओं में भी स्थिर बनी रहती है। छह, जीवन में चार बड़े सुख होते हैं जिनमें पत्नी, परिवार, मित्र, धन–दौलत व स्वास्थ्य का सुख मुख्य तौर पर पाए जाते हैं। अच्छी सेहत का होना सबसे बड़ा सुख माना गया है तथा अपने आप को मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रखें क्योंकि यदि सेहत नहीं है तो बाकी सुखों का भोग आप नहीं कर पाओगे। सात, सादगी और विनम्रता बनाए रखें तथा जमीन से नाता न तोड़ें, नहीं तो उड़ती पतंग की तरह आपकी डोर कभी भी कट सकती है। आठ, हीरे को जितना तराशा जाए वह उतनी ही ज्यादा चमक देता है।

अंडों को तोडेढ बिना स्वादिष्ट ऑमलेट नहीं बन सकता। हमेशा याद रखें कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती तथा कहीं न कहीं आपको इससे लाभ जरूर पहुंचता है। किसी पर निर्भर नहीं होना चाहिए तथा स्वावलंबी बन कर अपनी टांगें मजबूत रखनी चाहिए। नौ, इनसान अपनी गलतियों से सीखता है तथा गलतियां करने से न डरें, मगर उनसे सीख जरूर हासिल करें। दस, अपने माता– पिता व गुरुजनों का आदर–सत्कार करें। हमारे मां–बा तो वो बहार हैं जिस पर एक बार फिजां आ जाए तो दोबारा बहार नहीं आती। याद रखें कि माता– पिता के चले जाने के बाद तो दुनिया अंधेरी लगती है। यह ऐसे पक्षी हैं जो उड़ जाने के बाद वापस नहीं आते। सहारा देने वाले जब खुद सहारा ढूंढ रहे हों तथा इसी तरह बोलना सिखाने वाले जब खुद खामोश हो जाते हैं तो आवाज और अलफाज बेमायने हो जाते हैं। इसलिए हमेशा अपने माता–पिता के कर्ज को चुकाने को कभी न भूलें। किसी ने ठीक की कहा है : 'कदम ऐसा चलो कि निशान बन जाए। काम ऐसा करो कि पहचान बन जाए।। यह जिंदगी तो सभी जी लेते है । मगर जिंदगी जीओ तो ऐसी कि सबके लिए मिसाल बन जाए।।

अवैध तमंचा व नशीली दवा के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। निघासन जनपद स्तर पर चलाये जा रहे संदिग्ध व्यक्ति, हिस्ट्रीशीटर व वांछित,वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर निघासन पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र के दौरान थाना

स्थानीय के हिस्ट्रीशीटर बड़े छुन्ना उर्फ मुन्नालाल पुत्र झब्बूलाल, छोटे छुन्ना पुत्र झब्बूलाल निवासीगण खैरहनी को बम्हनपुर ईंट भट्ठा के पास से सुबह गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त बड़े छुन्ना उर्फ मुन्नालाल की जामा तलाशी से एक सफेद पोटली में 200 अदद गोली अल्प्राजोलम/अल्प्रासेफ टैब्लेट्स 0.5mg बरामद हुई है। और अभियुक्त छोटे छुन्ना की जामा तलाशी पर एक अदद तमंचा 12 बोर व एक जिन्दा कारतूस 12 बोर की बरामदगी हुई है। दोनों अभियुक्तों के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेजा गया।

पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं सी एफ ओ ने बताये अग्नि सुरक्षा के उपाय

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं सी एफ ओ के पर्यवेक्षण में सुरक्षित दीपावली के त्यौहार मनायें और

मेला–प्रदर्शनी में पंडाल अथवा अस्थाई ढांचा बनाते समय अग्नि सुरक्षा के उपाय भारतीय मानक ब्यूरो आईएस 8758 1993 में स्थाई पंडालअग्नि सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत दिशा निर्देश का अनुपालन कराने हेतु दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज पनकी रोड गंगाघाट उन्नाव एवं अमृत योजना के अंतर्गत गंगा घाट उन्नाव में दीपावली मेले को सुरक्षित करने हेतु शिवदरस प्रसाद अग्निशमन अधिकारी उन्नाव द्वारा निम्नलिखित उपाय करने का सुझाव दिया गया। 01–पंडाल किसी भी दशा में 3 मीटर से कम ऊंचाई का न लगाया जाए। पंडाल बनाने में सिंथेटिक सामग्री से बने कपड़े या रस्सी का प्रयोग न किया जाए ।पंडाल के चारों तरफ 4.5 मीटर खुला स्थान होना अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण पलायन मार्ग आवश्यक होगा ।पंडाल बिजली के लाइन के नीचे किसी भी दशा में नहीं लगाया जाए ।कोई भी पंडाल रेलवे लाइन ,बिजली के सब स्टेशन, चिमनी या भट्ठा से कम से कम 15 मीटर दूर लगाया जाए ।बिजली की व्यवस्था विद्युत कार्य के लाइसेंसी ठेकेदार से ही कराया जाए ।तारों के जोड़ किसी भी दशा में खुले नहीं होने चाहिए जहां तक संभव हो पोर्सलीन कनेकटरों का प्रयोग करना चाहिए ।इमरजेंसी लाइट की व्यवस्था होनी चाहिए ।विद्युत का कोई भी सर्किट ,बल्ब, ट्यूबलाइट आदि पंडाल के किसी भी भाग से कम से कम 15 सेंटीमीटर की दूरी पर होना चाहिए। सुरक्षित दीपावली त्यौहार को मनाने हेतु जन–जागरूकता अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं, अध्यापक गण सहित आम जनमानस को आग बुझाने एवं आग से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समय विद्यालय प्रबंधक अभिषेक तिवारी, सुधार सिंह वेदप्रकाश , अर्पित मिश्रा फायर सर्विस के पन्नालाल , संजय कुमार अम्बरीष कुमार, एवं गजेन्द्र सिंह उपस्थित रहें।

झण्डी चौकी परिसर में की पीस कमेटी बैठक का आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। कोतवाली निघासन के झंडी चौकी में थाना प्रभारी आरएल पटेल की अगवाई में पीस कमेटी का आयोजन कर वहाँ पर मौजूद संभ्रांत लोगों से कहा कि अपने त्योहारों को परंपरागत रूप से एक ही स्थान पर कोविड–19 का पालन करते हुए मना सकते हैं। वहीं उन्होंने कहा है कि कस्बे में आतिशबाजी किसी भी कीमत पर दीपावली के त्यौहार पर नहीं बिकने दी जाएगी। वह परंपरागत रूप से जहां एक स्थान पर अस्थाई दुकान लगाकर बिकती चली आ रही है उसी स्थान पर गाइडलाइन का पालन करते हुए बेजी जाएगी। अगर गाइडलाइन का पालन नहीं किया गया तो आतिशबाजी दुकानदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान मौजूद रहे झण्डी चौकी इंचार्ज विनोद सिंह कांस्टेबल संदीप कुमार ,हरेन्द्र कुमार कृष्ण कुमार,आदि समस्त स्टाफ व बरोठा पूर्व प्रधानप्रतिनिध अमर प्रकाश शुक्ला ,चेतराम यादव ,भंडारी लाल यादव ,राहुल आदि समस्त सभ्रांत लोग।

कस्तूरबा बालिका इण्टर कॉलेज जालौन में महिला विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। राष्ट्रीय महिला आयोग एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ''आजादी का अमृत महोत्सव'' अभियान के अन्तर्गत संयुक्त रूप से आज छात्राओं/महिलाओं को कानूनी जानकारी देने हेतु कस्तूरबा बालिका इण्टर कॉलेज जालौन में महिला विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष माननीय जनपद न्यायाधीश तरूण सक्सेना के निर्देशन में आयोजित इस विशेष शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती रेनू यादव द्वारा राष्ट्रीय/राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं/परियोजनाओं की जानकारी देते हुये प्राधिकरण की संरचना, इसके उद्देश्य व कार्यों के विषय में उपस्थित छात्राओं/महिलाओं को बताया गया। इसके साथ–साथ उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 14,15,19 एवं 21 में महिलाओं के सम्बन्ध में उल्लिखित कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। बालिकाओं को उन्हें अपने अधिकारों व सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहने की सलाह देते हुये महिलाओं की सुरक्षा व उनके कल्याण के लिये बनाये गये विभिन्न कानूनो की विस्तार से जानकारी दी सिविल जज (जू0डि0) जालौन, अर्नवराज चक्रवर्ती द्वारा छात्राओं/महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वाबलम्बी बनने के लिये प्रेरित करते हुये विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध विधिक सेवाओं की जानकारी दी गयी अपर सिविल जज (जू0डि0) जालौन सुश्री नेहा राजन द्वारा बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से अधिकाधिक ज्ञानोपार्जन करने हेतु प्रेरित करते हुये उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त बनने की बात कही राष्ट्रीय महिला आयोग की रिसोर्स–पर्सन, राजकुमारी निषाद, एडवोकेट एवं रिसोर्स–पर्सन श्रीमती साधना त्रिपाठी एडवोकेट ने महिलाओं को राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यों एवं इसकी भूमिका और संविधान एवं महिलाओं को प्राप्त कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया स्थायी लोक अदालत सदस्य,रामबाबू एवं सुन्दरलाल पाल ने स्थायी लोकअदालत के क्षेत्राधिकार और इसके महत्व के साथ–साथ उपभोक्ता संरक्षरण कानून के विषय में बताया। महिला शक्ति मिशन की प्रभारी एवं महिला थाना अध्यक्षा, नीलेश कुमारी ने छात्राओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा करने तथा कोई अप्रिय घटना घटित होने पर पुलिस से मदद कैसे ली जा सकती है, के विषय में विस्तार से बताया। इसी क्रम में सचिव/तहसीलदार तहसील विधिक सेवा समिति जालौन, कुमार भूपेन्द्र एवं महिला कल्याण विभाग की सहविधि परिवीक्षा अधिकारी, संध्या झा ने विभागीय योजनायें बतायीं अन्त में विद्यालय प्रधानाचार्या, शशि देवी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस शिविर का संचालन डी0एल0एस0ए0 रीडर,अश्वनी कुमार मिश्रा ने किया इस अवसर पर लेखपाल शिवराज सिंह, अध्यापिका, प्रीती मिश्रा, रजनी वर्मा, अंजलि दीक्षित, अर्चना श्रीवास्तव, पूजा देवी, डी0ई0ओ0 दीपक नरायण, पी0एल0वी0 टीम लीडर विपिन कुमार, योगेश श्रीवास्तव,बादाम सिंह यादव एवं अनूप कुमार दीक्षित समेत छात्रायें आदि उपस्थित रहीं।

आरएसएस के अनुसांगगिग संगठन भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश त्रिपाठी के द्वारा सत्येंद्र गुप्ता को जिले का जिलायुवा प्रमुख बनाया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। आरएसएस के अनुसांगगिग संगठन भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष श्री अवधेश त्रिपाठी जी के द्वारा जिला कार्यकारिणी मे पद विस्तार कर सीतापुर जिला का जिलायुवा प्रमुख सत्येंद्र गुप्ता जी को बनाया गया। विधान सभा सिधौली के भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला महामंत्री रहे सत्येंद्र गुप्ता को आर एस एस के अनुसांगिक संगठन

भारतीय किसान संघ द्वारा पद भार सभालने कि जिम्मेदारी दी गयी,इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अवधेश त्रिपाठी द्वारा जिलायुवा प्रमुख के पद दिए जाने पर इस पद का उचित उपयोग कर संगठन के कार्यों को मजबूत करने का काम करेंगे, इस अवसर पर लवी वर्मा, हिमांशु शुक्ला, अतुल तिवारी,ऋषभ शुक्ला, प्रिंस त्रिपाठी, लवकुश राजपूत,आदित्य श्रीवास्तव, टोनी रस्तोगी,बुलेट निगम ,राम कौसल,अन्नू गुप्ता आदि कार्यकर्ताओ द्वारा बधाई प्रेषित की व हर्ष व्यक्त किया।

अज्ञात कारणों के चलते छात्र फांसी पर झूला

अवध की आवाज ब्यूरो

पिरौना,जालौन। एट थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिरासिनी में अज्ञात कारणों के चलते 16 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या की जानकारी के अनुसार पवन प्रजापति

पुत्र कृष्ण स्वरूप उम्र 16 वर्ष कक्षा 11 सरस्वती विद्या मंदिर का छात्र था ननिहाल बिरासनी में कामता प्रसाद प्रजापति के यहां बचपन से रहता था। नाना के अनुसार पवन की मां सुनीता की शादी (हरौली) माधोगढ़ कृष्ण स्वरूप प्रजापति से की थी शादी के कुछ साल बाद अपनी पत्नी सुनीता को घरेलू विवाद के चलते चाकुओं से कई जगह घायल किया था इसके पश्चात सुनीता के पिता ग्राम बिरासिनी बच्चों सहित लेकर आए समय गुजरने के बाद कृष्ण स्वरूप के छोटे भाई के गुजर जाने के कारण सुनीता को बिरासिनी से अपनी ससुराल हरौली जाना पड़ा मौका पाते ही कृष्ण स्वरूप ने सुनीता को जान से मार दिया जिससे वह जेल में सजा काट रहा है पवन दो भाई एक बहन है। अभी बहन आकांक्षा की शादी उनके नाना ने 23 अप्रैल 2021 को की थी छोटा भाई भी पढ़ाई कर रहा है। अज्ञात कारणों के चलते रात्रि में चादर द्वारा छत में लगे हुए हुक से फांसी लगाकर उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेजा।

आयुर्वेदिक चिकित्सालय विद्यानगर में मरीजों की लगी रहती है भीड़

रु1 की पर्ची पर मरीजों का किया किया जाता है निशुल्क इलाज और दिया जाता है दवा

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। इस समय विद्यानगर आयुर्वेदिक चिकित्सालय में मरीजों की भीड़ लगी रहती है और प्रतिदिन लोगों का भीड़ बढ़ता रहता है। आपको बताते चलें कि यहां पर एक रुपए की पर्ची पर मरीजों का इलाज किया जाता है एवं निशुल्क दवा दिया जाता है। जिससे क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा भी हो रहा है दवा लेने आए प्रदीप पांडे सोठिया संजय मोरिया महेवा गोपाल रवि गुप्ता मोतीगंज सहित कई अन्य महिलाओं ने बताया कि इस आयुर्वेदिक चिकित्सालय मैं जब से फार्मेसिस्ट इंचार्ज अर्जुन प्रसाद गुप्ता की तैनाती लगभग डेढ़ माह पहले हुई है उसके बाद से क्षेत्र के गरीब व अन्य मरीजों का इलाज निशुल्क होता है मरीजों को फायदा होने से आयुर्वेदिक चिकित्सालय विद्यानगर में भीड़ हमेशा लगी रहती है वही फार्मेसिस्ट इंचार्ज अर्जुन वर्मा तथा वार्ड व्याय पुरुषोत्तम पांडे ने बताया कि छुट्टी के दिन छोड़कर बाकी दिन आयुर्वेदिक चिकित्सालय सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक खुला रहता है और प्रतिदिन 50 से 100 मरीजों को देखा जाता है एक

रुपए की सरकारी पर्ची मरीजों को कटानी होती है और एक ही रुपए में इलाज और दवा निशुल्क किया जाता है। वहीं चिकित्सालय में मौजूद दर्जनों महिला एवं पुरुष मरीजों ने बताया की आयुर्वेदिक दवा से हम लोगों को काफी फायदा होता है कुछ लोगों ने बताया कि हम लोग विभिन्न बीमारियों की दवा कई जगह कराया लेकिन फायदा नहीं हुआ जब से विद्यानगर आयुर्वेदिक चिकित्सालय से आयुर्वेदिक दवा कराना शुरू किया है। काफी राहत और फायदा हुआ है लोगों ने अस्पताल कर्मचारियों की काफी सराहना भी की।

लड़की का अपहरण करने का वांछित अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना मनकापुर पुलिस ने लड़की का अपहरण करने के वांछित अभियुक्त गोविन्द पुत्र राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त गोविन्द ने अपने साथी अभियुक्तों के साथ मिलकर थाना मनकापुर क्षेत्र की रहने वाली एक लड़की का अपहरण कर लिया था। जिसके सम्बन्ध मे लड़की की माँ द्वारा

थाना मनकापुर में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। इस प्रकार से बताते चलें कि गिरफ्तार करता टीम के उप निरीक्षक प्रतीक पांडे मय टीम के साथ गोविंद पुत्र राजेश निवासी प्रतापपुर बासुदेवपुर ग्रांट थाना मनकापुर जनपद गोंडा से गिरफ्तार किया और उक्त अभियुक्त पर मुख्य अपराध संख्या 237/ 21 धारा 363, 504, 506, 120 बी भादवी थाना मनकापुर जनपद गोंडा पंजीकृत किया गया।

छेडछाड़ करने का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0नगर में पीड़िता के पिता द्वारा थाना को0नगर में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। अभियुक्त को वास्ते रिमांड माननीय न्यायालय रवाना किया गया। इस प्रकार से गिरफ्तार कर करता टीम के उप निरीक्षक कुबेर तिवारी मय टीम के साथ आदिल पुत्र कादिर बाबा निवासी काशीराम आवास महाराजगंज थाना कोतवाली नगर

पुलिस ने छेड़छाड़ व मारपीट करने के वांछित अभियुक्त– आदिल को गिरफ्तार कर लिया। उक्त अभियुक्त ने थाना को0नगर क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की के साथ छेडछाड किया था। जिसके सम्बन्ध जनपद गोंडा से किया गिरफ्तार। उक्त अभियुक्त पर मुख्य अपराध संख्या 804/21 धारा 354, 504 ,506 भादवी व 7/8 पॉक्सो एक्ट ,, थाना कोतवाली नगर जनपद गोंडा में पंजीकृत किया गया।

पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में साइबर सेल ने त्वरित कार्यवाही कर ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हुए युवक के खाते में २४ घंटे में शत प्रतिशत धनराशि (रुपए ३० हजार) करायी वापस, पीड़ित युवक के चेहरे पर लौटी मुस्कान, कहा धन्यवाद गोण्डा पुलिस

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। जनपद गोण्डा में साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने समय–समय पर साइबर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही साइबर सेल टीम गोंडा को भी पीड़ितों की शिकायत पर तत्काल कार्यवाही करते हुए उनके साथ ठगी की गई धनराशि को वापस दिलाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। साइबर ठगी का शिकार हुए ऐसे ही थाना नवाबगंज क्षेत्र के रहने वाले एक पीड़ित युवक हेमंत पांडेय ने पुलिस अधीक्षक गोण्डा को उसके खाते से ऑनलाइन ट्रांसजेक्शन करते समय साइबर ठगी का शिकार हो जाने की शिकायत की थी जिस पर पुलिस अधीक्षक ने तत्काल साइबर सेल को आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित युवक की रकम को वापस कराते हुए न्याय दिलाने का निर्देश दिया था। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर सेल ने फ्रॉड की गयी शत प्रतिशत धनराशि रुपए 30 हजार को सम्बंधित बैंक/इंटीमेडरी से संपर्क कर पीड़ित के खाते में वापस करवाया। धोखाधड़ी की सम्पूर्ण रकम वापस मिलने एवं त्वरित कार्यवाही कराने के लिए पीड़ित युवक द्वारा पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा एवं साइबर सेल की सराहना करते हुए सहृदय धन्यवाद दिया गया है।

अवध की आवाज ब्यूरो

अचलगंज उन्नाव। दिनांक 30 10 2021 दिन शनिवार पत्रकार सुरक्षा महासमिति कि अध्यक्षता कर रहे आदरणीय अनिल कुमार सिंह जी की अध्यक्षता में पत्रकार एवं समिति पत्रकार महा समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा पहुंचे घूराबा खेड़ा भगवंत नगर विधानसभा माल मऊ बलाई पहुंच कर बाढ़ ग्रसित लोगों को खाने की सामग्री एवं पत्रकार महा समिति की तरफ से कई राहत चीजें भेंट की गई।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर बिजली बिल के जरिए होने वाली 'लूट' खत्म करेंगे : प्रियंका

नई दिल्ली,। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित उत्तर प्रदेश में लोग बिजली बिलों के जरिए होने वाली 'लूट' का सामना कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्ता में आने पर उनकी पार्टी इस लूट को समाप्त कर देगी। कांग्रेस महासचिव ने ट्विटर पर एक मीडिया रिपोर्ट को भी टैग किया, जिसमें दावा किया गया था कि बिजली विभाग ने एक मजदूर को 19 करोड़ रुपये से अधिक के बिजली बिल का नोटिस दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, ''भाजपा राज में बिजली बिलों और स्मार्ट मीटरों की लूट से प्रदेश का आमजन बुरी तरह त्रस्त है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''बिजली विभाग ने मेहनत मजदूरी करने वाले परिवार को 19 करोड़ 19 लाख रुपये के बिजली बिल का नोटिस थमा दिया है।'' प्रियंका ने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर बिजली बिलों के जरिए हो रही इस ''लूट'' को समाप्त कर दिया जाएगा।

2022 के गणतंत्र दिवस सप्ताहांत में रिलीज होगी राजकुमार, भूमि स्टारर बधाई दो

मुंबई, (वेब वार्ता)। अभिनेता राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर–स्टारर बधाई दो 2022 के गणतंत्र दिवस सप्ताहांत में थियेटरों में रिलीज की जाएगी। निर्देशक हर्षवर्धन कुलकर्णी ने कहा, जब पारिवारिक मनोरंजन विशेष रूप से कॉमेडी फिल्मों की बात आती है, तो सिनेमा एक आदर्श मंच है क्योंकि इसका आनंद पूरे परिवार के साथ लिया जा सकता है। हम गणतंत्र दिवस सप्ताहांत में सिनेमा हॉल में बधाई दो लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। यह एक संपूर्ण मनोरंजन फिल्म है और मुझे वास्तव में उम्मीद है कि दर्शकों को फिल्म देखने में उतना ही आनंद आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया है। पारिवारिक मनोरंजन इस फिल्म में सीमा पाहवा, शीबा चड्ढा, लवलीन मिश्रा, नितीश पांडे, शशि भूषण जैसे अनुभवी कलाकार शामिल हैं, जो कहानी को आगे बढ़ाते हुए महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं। पहली बार स्क्रीन शेयर करते हुए, राजकुमार और भूमि दिलचस्प किरदारों को निभाते नजर आएंगे। उन्होंने अभी तक एक दूसरे के साथ ऑनस्क्रीन शेयर नहीं किया है। जहां राज महिला पुलिस थाने में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे, वहीं भूमि फिल्म में एक पीटी शिक्षक की भूमिका निभा रही हैं। अमश्ता पांडे ने कहा, इस फिल्म में राज, भूमि, हर्ष और अक्षत–सुमन जैसी पावरहाउस प्रतिभाओं को एक साथ लाना वास्तव में अभूतपूर्व रहा है। हम इस बेहद खास फिल्म को सिनेमाघरों में लाने का इंतजार नहीं कर सकते। जंगली पिक्च र्स की बधाई दो का निर्देशन हर्षवर्धन कुलकर्णी ने किया है, जिसे अक्षत घिल्डियाल और सुमन अधिकारी ने लिखा है। फिल्म गणतंत्र दिवस सप्ताहांत पर रिलीज होने वाली है।

'बिग बॉस 15' में पहुंचते ही कटरीना ने लगाई सलमान की क्लास, कहा– मेरे लिए गाना गाओ

मुंबई, (वेब वार्ता)। 'बिग बॉस 15' में इस 'वीकेंड का वार' एपिसोड में खूब धमाल मचने वाला है। एक तरफ जहां होस्ट सलमान खान घरवालों की तगड़ी क्लास लेंगे, वहीं दूसरी ओर कटरीना कैफ (झंजतपदं झंपि) उनकी क्लास लेने पहुंचेंगी। मेकर्स ने आने वाले एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें सलमान और कटरीना के अलावा रोहित शेट्टी भी नजर आ रहे हैं। कटरीना और रोहित शेट्टी फिल्म 'सूर्यवंशी' के प्रमोट करने 'बिग बॉस' के घर पहुंचे। लेकिन मौका मिला तो कटरीना ने सलमान की क्लास भी लगा दी। उन्होंने रोहित शेट्टी से सलमान की शिकायत भी की। शेयर किए गए प्रोमो में दिखाया गया है कि रोहित शेट्टी

जज बनते हैं और वो सलमान और कटरीना को सामने बिठाते हैं। इसके बाद कटरीना का शिकायत का सिलसिला शुरू होता है। कटरीना कहती हैं, 'ये शूट पे हमेशा लेट आते हैं।' यह सुनकर सलमान कहते हैं, 'कबूल है।' इसके बाद कटरीना कहती हैं कि सलमान को उनके लिए एक गाना, गाना होगा। इस पर सलमान 'ओ मेरे दिल के चैन' गाते हैं और साथ में फनी डांस करने लगते हैं। उनका डांस देख कटरीना की हंसी छूट पड़ती है। 'सूर्यवंशी' दिवाली के मौके पर 5 नवंबर को थिअटर्स में रिलीज हो रही है। फिल्म में कटरीना के अलावा अक्षय कुमार, अजय देवगन, रणवीर सिंह, जावेद जाफरी, गुलशन ग्रोवर, जैकी श्रॉफ और निकितन धीर नजर आएंगे।

सेहत

महिलाओं के लिए हैं ये योगासन, पीसीओडी से मिलेगा छुटकारा

पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम या पीसीओडी एक ऐसी बीमारी है जिसके तहत ओवरी में मल्टीपल सिस्ट हो जाते हैं। ये सीस्ट खास किस्म के तरल पदार्थ की थैलियां होती हैं। सिस्ट होने की असली वजह मासिक धर्म में अनियमतता को बताया जाता है। मासिक धर्म में अनियमतता के कारण ओवरी का साइज बढ़ जाता है नतीजतन एंड्रोजेन और एस्ट्रोजेनिक नामक हारमोन भारी मात्रा में प्रोड्यूस होते हैं। पॉलिसिस्टिक ओवरी नार्मल ओवरी की तुलना में आकार में काफी बड़े होते हैं। इसे स्टीन लिवंथन सिंड्रोम भी कहा जाता है। पीसीओडी के कारण गर्भास्था, मासिक धर्म, डायबिटीज जैसी बीमारी में परेशानियों का इजाफा करता है।

पीसीओडी के लक्षण : पीसीओडी के लक्षण बेहद खतरनाक ढंग से देखे जा सकते हैं। दरअसल इससे महिलाओं के शरीर में बाल बढ़ जाते हैं, स्तन का साइज छोटा हो जाता है, आवाज में फर्क महसूस होने लगता है, वजन बढ़ जाता है, सिर के बाल पतले होने लगते हैं। इतना ही नहीं जो महिलाएं पीसीओडी से पीड़ित होती हैं, उनमें एंग्जाइटी, डिप्रेशन, वजन बढ़ना जैसी समस्या भी देखने को मिलती है। इन दिनों पीसीओडी वयस्क महिलाओं की कम उम्र की युवतियों में देखने को मिल रही है। इसकी असली वजह काम का तनाव, अस्वस्थ खानपान, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, व्यायाम न करना है। साथ ही जो युवतियां कम सोती हैं, उन्हें भी पीसीओडी होने का खतरा रहता है। जो महिलाएं अपनी जीवनशैली के कारण पीसीओडी का शिकार हो रही हैं, वे चाहें तो कुछ आसनों की मदद से स्वस्थ जीवन जी सकती हैं। उनमें पीसीओडी का खतरा भी कम हो जाता है।

कपालभाती : कपालभाती शब्द दो शब्दों को जोड़कर बनाया गया है। एक कपाल यानी माथा और भाती यानी चमकना। माना जाता है कि नियमित व्यायाम करने से चेहरे पर ग्लो आता है और शरीर स्वस्थ रहता है। कपालभाती वास्तव में एक शत क्रिया है। यह एक तरह शरीर की क्लीनिंग प्रक्रिया है जिसकी मदद से शरीर से जहरीले पदार्थों को निकाला जाता है। इसके तहत आपको योगिक आसन में बैठना होता है और फिर पूरी प्रक्रिया सांसों के लेने और छोड़ने पर निर्भर करती है।

योनि मुद्रा : यह एक ऐसा योगासन है जिसे करते हुए महिला किसी भी रूप में बाहरी दुनिया से जुड़ाव महसूस नहीं करती। इसलिए इसे योनि मुद्रा कहा जाता है। यह हमें अपनी अंदरूनी दुनिया से जोड़ता है इसलिए इसे योनि मुद्रा कहा जाता है। यह गर्भाशय में शिशु के होने का आभास कराता है।

पवनमुक्त आसन : पवनमुक्त आसन हमारे पेट के लिए सबसे ज्यादा लाभकारी आसन है। साथ ही यह हमारी पाचन क्रिया को भी बेहतर करता है। पवनमुक्त आसन से एब्डोमिनल और पीठ की मसल्स को मजबूती मिलता है साथ ही रक्त संचार का प्रवाह भी बेहतर होता है।

हलासन : हल एक तरह का जमीन जोतने के लिए इस्तेमाल होने वाला उपकरण है जिसे किसान द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। हलासन को सर्वांगासन के बाद ही किया जाता है जो वास्तव में कंधों से जुड़ा हुआ आसन है। यह आसन भी पीसीओडी में राहत देने में मदद करता है।

धनुर्सान : यह आसन टेंशन और डिप्रेशन को दूर भगान के लिए किया जाता है। अतः यदि किसी महिला में पीसीओडी के जरा भी लक्ष्ण दिखें या उन्हें जबरदस्त तनाव होता है तो उन्हें यह आसन

अमिताभ बच्चन ने पुनीत राजकुमार को श्रद्धांजलि दी, कहा : दुख शब्दों में बयां नहीं कर सकता

मुंबई, (वेब वार्ता)। दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कन्नड़ फिल्मों के जाने माने अभिनेता पुनीत राजकुमार को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि पुनीत के अचानक चले जाने से वह सदमे में हैं। 'अप्पू', 'वीरा कन्नडिगा' और 'मौर्य' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले पुनीत राजकुमार का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से बेंगलुरु के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 46 वर्ष के थे। पुनीत राजकुमार दिवंगत अभिनेता राजकुमार के बेटे थे। बच्चन ने अपने ब्लॉग पर एक पोस्ट में कहा कि अपने दो करीबियों– पुनीत और एक पारिवारिक मित्र के निध न से वह बहुत दुखी हैं। उन्होंने लिखा, ''आज दो करीबी प्रियजनों का निधन हुआ। दुख को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। एक की खबर तो बहुत ही चौंकाने वाली है।'' उन्होंने लिखा, ''कन्नड़ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राजकुमार के छोटे बेटे और अपने आप में एक सितारे पुनीत राजकुमार का आज निधन हो गया। वह महज 46 वर्ष के थे और इससे हम सभी बहुत सदमे में हैं। राजकुमार का परिवार हमेशा से बहुत करीबी रहा है।

मेरी ओर से प्रार्थनाएं एवं संवेदनाएं। बच्चन ने ब्लॉग में बताया कि जिस अन्य करीबी की मौत हुई है वह एक पारिवारिक मित्र की मां थीं। डॉक्टरों ने बताया कि जिम में दो घंटे की कसरत के बाद सीने में दर्द की शिकायत करने पर पुनीत को विक्रम अस्पताल ले जाया गया था जहां कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन समेत अनेक लोगों ने पुनीत को श्रद्धांजलि दी। अभिनेता अजय देवगन, संजय दत्त, चिरंजीवी, महेश बाबू समेत कई अभिनेताओं ने भी पुनीत को श्रद्धांजलि दी।

कोविड-१९ : देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर १,६१,५५५ हुई

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड–19 के 14,313 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,42,60,470 हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,61,555 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को अद्यतन आंकड़ों से यह जानकारी मिली। सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 549 और लोगों की मौत हो जाने से मश्तकों की संख्या बढ़कर 4,57,740 हो गई है। कोरोना वायरस के नए मामले लगातार 36वें दिन 30,000 से कम हैं और 125 दिन से नए मामले 50,000 से कम हैं। मंत्रालय के मुताबिक उपचाराधीन मरीजों की संख्या, संक्रमण के कुल मामलों की 0.47 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद सबसे कम है। वहीं, ठीक होने की दर 98.19 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 221 की बढ़ोतरी हुई। देश में अब तक 3,36,41,175 लोग स्वस्थ हो चुके हैं जबकि मश्त्यु दर 1.34 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक रोजाना की संक्रमण दर 1. 22 प्रतिशत है। यह पिछले 26 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 1.18 प्रतिशत है। यह पिछले 36 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। देश में कोविड–19 रोधी टीकों की अब तक 105.43 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

अभिनेता यूसुफ हुसैन का निधन, कोविड-१९ से थे पीड़ित

मुंबई, (वेब वार्ता)। जानेमाने अभिनेता यूसुफ हुसैन का शनिवार सुबह निधन हो गया। 73 वर्षीय अभिनेता कोविड–19 से पीड़ित थे। उन्होंने 'धूम 2', 'रईस' और 'रोड टू संगम' जैसी फिल्मों में काम किया था। हुसैन के दामाद एवं फिल्मकार हंसल मेहता ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि अभिनेता लीलावती अस्पताल में भर्ती थे, वहीं उनका निधन हुआ। मेहता ने ट्विटर पर अपने ससुर के लिए एक भावनात्मक पोस्ट लिखी जिसमें उन्होंने बताया कि हुसैन ने किस प्रकार उन्हें आर्थिक मदद दी थी जब उनकी फिल्म 'शाहिद' अटक गई थी। उन्होंने लिखा, ''मैं परेशान था। फिल्मकार के रूप में मेरा करियर लगभग खत्म हो चुका था। तब वह मेरे पास आए और कहा कि मेरे पास सावधि जमा है और आप जब इतने परेशान हैं तो वह मेरे लिए किसी काम का नहीं है। उन्होंने एक चेक दिया

और 'शाहिद' पूरी हो गई। वह थे यूसुफ हुसैन। मेहता ने कहा, ''मेरे लिए ससुर नहीं बल्कि पिता थे। आज वह चले गए। हुसैन ने 'दबंग 3', 'ओ माय गॉड', 'आई एम सिंह' जैसी फिल्मों में काम किया। अभिषेक बच्चन की आगामी फिल्म 'बॉब बिस्वास' के लिए भी उन्होंने शूटिंग की थी। अभिषेक बच्चन ने हुसैन को श्रद्धांजलि देते हुए ट्विटर पर लिखा, ''हमने कई फिल्मों में काम किया, 'कुछ ना कहो' से लेकर 'बॉब बिस्वास' तक। वह सौम्य, दयालु और गर्मजोशी से भरे हुए थे। उनके परिवार के प्रति संवदेनाएं। मेहता के करीबी मित्र मनोज बाजपेयी ने ट्वीट किया, ''दुखद खबर। पूरे परिवार के प्रति संवेदनाएं। अभिनेत्री पूजा भट्ट ने भी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट : हरिका ने स्टेफानोवा को हराया

रीगा, (वेब वार्ता)। भारत की द्रोणवल्ली हरिका ने पूर्व विश्व चौम्पियन बुल्गारिया की अंतोनेता स्टेफानोवा को फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में हराकर संयुक्त बढत बना ली।

तीन दौर के बाद नौ खिलाड़ी 2. 5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं।

हरिका ने 68 चालों के बाद जीत दर्ज की। भारत की पद्मिनी राउत ने आर वैशाली को हराया जबकि वंतिका अग्रवाल ने दिव्या देशमुख को मात दी।

राउत और अग्रवाल इस जीत के बाद तीन दौर में दो अंक हासिल कर चुके हैं। हरिका का सामना चौथे दौर में चीन की झू जिनेर से होगा।वहीं राउत रूस की एलिना काश्लिनस्काया से और अग्रवाल आर्मेनिया की अन्ना एम सर्जिस्यान से खेलेगीं

पुरूष वर्ग में ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने खराब शुरूआत के बाद वापसी करते हुए चअली के इवान मोरोविच फर्नांडिज को हराया।

सत्रह वर्ष के निहाल सरीन ने आस्ट्रेलिया के तैमूर कायबोकारोव को मात दी। अब उनका सामना रूस के पावेल पोंक्रातोव से होगा जबकि हरिकृष्णा आर्मेनिया के सर्जेइ मोवसेसियान से खेलेंगे।

भारत के डी गुकेश, के शशिकिरण, आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी और रौनक साधवानी ने ड्रा खेले।

ईरान के अलीरजा फिरोजा पूरे अंक लेकर शीर्ष पर हैं।सरीन समेत छह खिलाड़ी उनसे आधा अंक पीछे हैं।

मोतीगंज पुलिस ने दो अलग–अलग स्थानों से दो लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय किया रवाना

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। मोतीगंज थाना क्षेत्र के दो अलग–अलग स्थानों से मोतीगंज पुलिस ने शांति भंग की अंदेशा में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय किया रवाना मोतीगंज थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के 2 नफर अभियुक्त अतुल पुत्र सतगुरु सोनकर निवासी लोकई पुरवा सीहा गांव थाना मोतीगंज तथा एक आरोपी को श्याम बली पुत्र चम्हित निवासी नई बस्ती इमिलिया थाना मोतीगंज को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना कर दिया गया है। गिरफ्तार करने वालों में उपनिरीक्षक श्री मदनलाल गौतम उप निरीक्षक शरद अवस्थी कांस्टेबल मृत्युंजय कांस्टेबल पंकज कुमार मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन/मुशायरे का हुआ आयोजन

कवि सम्मेलन में कवि धर्मराज उपाध्याय को माल्याअर्पण करते सभासद मनोज मिश्रा

अवध की आवाज ब्यूरो

पिहानी,हरदोई। कस्बे के जूनियर हाई स्कूल के प्रांगड़ में चल रहे दीपावली मेले में शुक्रवार को कवि सम्मेलन के साथ हुये मुशायरे ने चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम की शुरुआत चेयरमैन हाजी जमाल साजिद अंसारी ने दीप प्रज्जवलन कर की। जिसमे आये कवियों और शायरों ने काव्यपाठ व शायरी सुनाकर खूब तालियां बटोरी। शासन के मंशानुरूप दीपावली पर्व को लेकर पथ विक्रेताओं की आय बढ़ाने के लिए मेले का आयोजन किया जिसमें नगर के पथ विक्रेता एक साथ दुकान लगाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकें। मेले के दूसरे दिन कवि सम्मेलन व मुशायरे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए मुशायरे के साथ हुई। जिसमे शाहाबाद से आये कवि करुणेश दीक्षित ने इआओ स्वीकार मेरा नमन कीजिए, दो नयन की व्यथा का।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय पूर्वी क्षेत्र २ प्रयागराज के उपमहानिरीक्षक पहुंचे एनसीएल अम्लोरी

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। सिंगरौली अम्लोरी बीत दिवस प्रयागराज उपमहानिरीक्षक सरोज कांत मलिक ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई एनसीएल सिंगरौली का वार्षिक निरीक्षण किया गया। सरोज कांत मलिक उपमहानिरीक्षक प्रयागराज के एनसीएल परियोजना अम्लोरी आगमन पर उनको केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई एनसीएल सिंगरौली द्वारा सम्मान गार्ड दिया गया तथा उन्होंने एन सी एल परियोजना अमलोरी क्षेत्र के सभी संभावित खतरों का सुरक्षा संबंधी मूल्यांकन किया गया व सभी कर्तव्य स्थलों का निरीक्षण किया गया एवम उचित दिशानिर्देश उपमहानिरीक्षक प्रयागराज द्वारा दिया गया और एनसीएल परियोजना अमलोरी के एरिया महाप्रबंधक सतीश एनसीएल प्रबंधन के अन्य अधिकारियों के साथ सुरक्षा संबंधी सभी पहलुओं का समीक्षा बैठक किया गया। तथा श्री सरोज कांत मलिक उपमहानिरीक्षक प्रयागराज, सतीश झा एरिया महाप्रबंधक एनसीएल परियोजना अमलोरी, सुब्रत कुमार झा कमांडेंट केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई एनसीएल सिंगरौली तथा अन्य एनसीएल प्रबंधन के अधिकारियों तथा बल सदस्यों के गरिमामय उपस्थिति में सिक्योरिटी ऑपरेशनल कमांड सेंटर (SOCC)व एनसीएल परियोजना अमलोरी के सेंड मॉडल का उद्घाटन किया गया।

लखीमपुर मामले में आरोपों से घिरे गृह राज्यमंत्री की अमित शाह के साथ मौजूदगी पर अखिलेश का तंज

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में गृह राज्यमंत्री एवं लखीमपुर खीरी कांड को लेकर गंभीर आरोपों से घिरे अजय मिश्रा की मंच पर मौजूदगी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को घेरने की कोशिश की। अखिलेश ने शनिवार को ट्वीट कर अजय मिश्रा की शाह के साथ एक तस्वीर टैग करते हुए कहा, ''झूठी दूरबीन लेकर ढूंढने का ढोंग पूरा था जबकि 'बगल में छोरा जगत ढिंढोरा' था।'' अखिलेश का यह तंज शाह द्वारा शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उंगलियों से दूरबीन की आकृति बनाकर प्रदेश में कानून व्यवस्था की तारीफ करते हुए उनके इस बयान पर था कि आज प्रदेश में किसानों को कथित रूप से धमकाते पाए गए थे, जिसे तिकोनिया कांड से जोड़कर देखा जा रहा है।

दूरबीन लेकर ढूंढने पर भी कोई बाहुबली नहीं दिखाई देता।

शाह ने कहा था, ''वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था का बुरा हाल देख कर उनका खून खौल जाता था। पहले की सरकार के जमाने में बच्चियां घर से बाहर नहीं निकल सकती थीं। हर जिले में दो–तीन बाहुबली होते थे लेकिन आज दूरबीन लेकर ढूंढता हूं तो भी कहीं कोई बाहुबली नहीं दिखाई देता।''

गौरतलब है कि पिछली तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया क्षेत्र में किसानों के आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसके कुछ दिन बाद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री एक कार्यक्रम के दौरान सपा और कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल गृह राज्य मंत्री मिश्रा की बर्खास्तगी की लगातार मांग कर रहे हैं। अब अमित शाह के साथ मिश्रा के मंच साझा करने पर विपक्ष एक बार फिर हमलावर है। शाह ने शुक्रवार को कार्यकर्ता सम्मेलन में दावा किया था कि प्रदेश की भाजपा सरकार अपने घोषणापत्र के 90 प्रतिशत वादे पूरे कर चुकी है और बाकी बचे महीनों में शेष वादे भी पूरे कर दिए जाएंगे। जनता तब मान लेगी कि भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है।

गृह मंत्री ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कोविड–19 महामारी आई, जगह–जगह बाढ़ आई तब अखिलेश कहां थे। वह इसका हिसाब दें। इन लोगों ने जो कुछ भी किया अपने परिवार वालों के लिए ही किया।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।